परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

चतुर्थ पत्र : विशेष किसी एक कवि का अध्ययन

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

वाल्मीकि , कालिदास, श्रीहर्ष,बाणभट्ट

साहित्यदर्शन– द्वितीय वर्ष 80 (100)

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

पंचम पत्र : काव्य शास्त्र

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

रसगंगाधर,पण्डितराज जगन्नाथ

प्रथम आनन –सम्पूर्ण 40 (50) अंक

ध्वन्यालोक ,आनन्द वर्धन तृतीय तथा चतुर्थ उद्योत लोचन सहित 40 (50) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

षष्ठ पत्र : साहित्य– समीक्षा

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1 वक्रोक्ति जीवित–कुन्तक 60 (75) अंक

2 औचित्य विचार चर्चा,क्षेमेन्द्र 20 (25) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

सप्तम पत्र : निबन्ध तथा व्युत्पत्ति

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	निबन्ध,साहित्य शास्त्रीय	35 (50) अंक
2	व्युत्पत्ति प्रदर्शन	15 (20) अंक
3	पद्य रचना अथवा समस्या पूर्ति	10 (10) अंक
4	काव्य मीमांसा ,राजशेखर अध्याय 1,4,5,11,18	20 (20) अंक

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

अष्टम पत्र : काव्य शास्त्र

पूर्णांक
रेगुलर – 80
प्राईवेट – 100

1	संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास	50(60) अंक
2	पाश्चात्य काव्य शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास	30(40)अंक
	सहायक ग्रन्थ : पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परम्परा ,नोन्द्रा	

परीक्षक के लिए निर्देश :–

1 परीक्षक के लिए निर्देश है कि वह प्राईवेट विद्यार्थियों के लिए अंकों का उल्लेख कोष्ठों में करें ।

2 सभी प्रश्नों में दो विकल्प दिए जायें ।

सहायक ग्रन्थ :

1	पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परम्परा :	सम्पादक डॉ0 नगेन्द्र, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली 1
2	संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहासः	पी0वी0कार्ण,अनुवाद इन्द्रचन्द्र शास्त्री,मोतीला बंनारसीदास दिल्ली 1
3	संस्कृत काव्य का इतिहासः	भाग1–2 डॉ0 सुशीलकुमार डे, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी पटना–3